अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रतिवेदन

जबलपुर पब्लिक कॉलेज के प्रागंण में दो दिवसीय सम्मेलन e -Governance in Education विषय पर आयोजन किया गया। सम्मेलन के प्रथम दिवस दिनांक 8 अप्रैल 2017 ऐतिहासिक दिवस के रूप में रहा। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती पूजन एवं वंदना से हुआ जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) प्रयागदत्त जुयल, कुलपति नानाजी देशमुख विटनरी साइंस यूनिवर्सिटी एवं डॉ. आर.एस. शर्मा, कुलपति मेडिकल यूनिवर्सिटी जबलपुर के रूप में डॉ. पुरूषोत्तम गौतम प्राचार्य सीनियर सेकेण्डरी स्कूल नेपाल से, श्री कोमलचंद जैन तनजानिया ईस्ट अफ्रीका, विशेष अतिथि डॉ. एस.डी. सिंह जी CTE के समन्वयक, डॉ. वीनू जैन मैडम UK से एवं श्री पुनीत टंडन जी डीन ऑफ रिसर्च स्पॉन्सर प्रोजेक्ट विद्यमान थे।

संस्था के संचालक श्री प्रवीण वर्मा जी द्वारा मुख्य अतिथि, सम्माननीय अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को बुद्ध एवं शंख स्मृति चिन्ह स्वरूप दिया गया। इस उपलक्ष्य में श्रीमती ज्योति वर्मा (कोषाध्यक्ष), श्री प्रणीत वर्मा जी (सचिव), प्रगीत वर्मा जी उपस्थित रहे।

श्रीमती प्रो. निवेदिता पॉल चेयरमेन शिक्षा संकाय , रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के द्वारा महाविद्यालय का इतिहास एवं सम्मेलन के विषय में बताया गया तत्पश्चात् डॉ. वीनू जैन जी जो कि इंग्लैण्ड से हमारे बीच पधारी थी उन्होंने अपने वक्तव्य में कार्यस्थल पर सोशल नेटवर्किंग के प्रभाव को दर्शाया।

डॉ. वीनू जैन के द्वारा Impact of Social Networking on workplace Behaviour के अंतर्गत अपने विचार व्यक्त किए उनके द्वारा कहा गया कि विद्यार्थियों के अच्छी उपस्थिति के लिए उन्हें पुरूस्कृत किया जाना चाहिए। विद्यार्थियों की प्रगति का आंकलन दर्ज किया जाना चाहिए एवं प्रगति के साथ विद्यार्थियों का प्रोन्नत भी किया जाना चाहिए।

शिक्षा में ऑनलाइन एजुकेशन का उपयोग किया जाता है तो सबसे अधिक प्रभावित 6 से 11 वर्ष के बच्चे होते हैं। अतः इन विद्यार्थियों के लिए प्रभावशाली प्रोग्राम बनाए जाने चाहिए।

शिक्षक में तकनीकी का निःशुल्क प्रयोग जैसे गूगल और एक्सेल का उपयोग करके शिक्षक छात्रों का गृहकार्य कहीं भी किसी भी समय चैक किया जा सकता है इससे शिक्षक के कार्यभार में भी कमी आएगी। इससे शिक्षक सरलता पूर्वक कम समय में किसी भी समय में कहीं भी शिक्षण कार्य कर सकता है।

अंकसूची एवं अन्य डॉक्यूमेन्ट्स सरलता से तैयार किए जा सकते हैं। आचार–विचार को लेकर उन्होंने अनेक उदाहरण दिए और कहा इसके प्रभाव एवं दुष्प्रभाव दोनों हैं।

इंजीनियर कोमलचंद जैन ईस्ट अफ्रीका से हमारे बीच उपस्थित थे उन्होंने इसी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि अगर हम ई–गवर्नेंस से जुड़े हैं तो हमें आचार–विचार का ध्यान रखना होगा क्योंकि अपनी प्रायवेसी को आप सभी के बीच प्रकट न करते हुए जरूरी बातों को शेयर करते हैं तो यह आपके लिए अधिक उपयोगी सिद्ध होगा।

हमें अपने और अपने से जुड़े सभी की भावनाओं को ध्यान रखते हुए तकनीकी का प्रयोग सुचारू रूप से करना चाहिए। सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए इनकी उपयोगिता को स्पष्ट किया। आदरणीय प्रो. प्रयागदत्त जुआल जी ,कुलपति नानाजी देशमुख विटनरी साइन्स यूनिवर्सिटी के द्वारा सामाजिक परिवर्तन को स्वीकार कर उसे पूर्ण रूप से सकारात्मक दृष्टिकोण से स्वीकारा जावें ,इस पर बल दिया एवं शिक्षक क्रिया में उत्तरोत्तर उन्नति को ध्यान में रखते हुए इसकी आवश्यकता को स्वीकार किया।

डॉ. आर.एस. शर्मा, मेडिकल कॉलेज, जबलपुर के कुलपति द्वारा ई–गवर्नेंस द्वारा विज्ञान एवं अन्य विषयों में किस प्रकार से और रूचिकर और परिपूर्ण बनाया जा सकता है।

डॉ. पुरूषोत्तम गौतम जो कि प्राचार्य सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, नेपाल से एक बहुत ही खास शिक्षा प्रणाली का प्रयोग कर एक स्कूली शिक्षा पर बल दिया। "सम्मान देकर सम्मान प्राप्त करना" यही सीख दी उनके द्वारा कहा गया कि गलत इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के प्रयोग से बहुत ही गलत प्रभाव पड़ सकता है। आपने शिक्षा के आगे बढ़ाने के लिए Golden Rule दिए।

इंटरनेट के सही प्रयोग से नए ज्ञानात्मक स्टोरी सुनाकर उनमें नैतिक शिक्षा को बढ़ाया जा सकता है व टीम वर्क व नई सोच के साथ नए कार्यों को परिणित किया जाना चाहिए।

ऐजुकेशन के साथ Personality पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

डॉ. पुनीत टंडन जी के द्वारा ICT को एक प्रभावी एवं ताकतवर उपकरण के रूप में सामने लाने का प्रयास किया गया। इनकी कमियों को बताकर उनसे दूर रहने का प्रयास करने को कहा गया। ICT के प्रयोग से समय एवं धन की बचत को बताते हुए [G_2C, G_2B एवं G_2G] तीन तरह की प्रक्रिया को बताया गया कहा गया कि दूरियाँ घट रहीं हैं।

Govt. Policies - प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्कूली क्षेत्रों के Policies की जानकारी दी। e-administration, e-service, e-democracy की उपयोगिता स्पष्ट की। राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा, उच्चतर माध्यमिक तकनीकि शिक्षा आदि में एवं अनुसंधान और नये–नये अविष्कार को ताकत देने के लिये ऑनलाईन कार्यप्रणाली अपनाना अनिवार्य है। सभी जनता के सरकारी योजनाओं को सही रूप में पहुंचाना उनमें पारदर्शिता, प्रभावशीलता एवं विश्वसनीयता को बढ़ाने में ई–गवर्नेंस की महत्वपूर्णता सिद्ध की। पाठ्यक्रम एवं अन्य विषयी पाठ्यक्रमों के संचालन में मदद करती है।

ई–गवर्नेंस शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को एक नवीन एंव नूतन स्तर पर पहुंचने के लिए संसाधन मुहैया कराती है। अधिगम एवं शिक्षण में ICT की प्रभावशीलता के बिना अधिगम प्रक्रिया पूर्ण नहीं की जा सकती। Best Practices के अंतर्गत जबावदेही पारदर्शिता के लिए जनहित में भ्रष्टाचार को कम करने में सहायक माना गया है।

स्वागत सत्र के अन्त में प्राचार्य, डॉ. श्वेता पाण्डे के द्वारा अतिथियों का अभिवादन एवं धन्यवाद किया गया एंव दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया गया।

भोजनपरांत राज्य शिक्षा केन्द्र के सेवानिवृत्त अधिकारी, भोपाल के डॉ. प्रकाश देव जी द्वारा Key Note Address दिया गया। प्रत्येक शब्द अपने आप में परिपूर्ण था उनने ई–गवर्नेंस इन ऐजुकेशन के उद्देश्यों को स्पष्ट किया। E-Service book, Pay Slip, Pay Bill, Salary,

portal, grievarnce, geo-location, Portal, RTE आदि अन्य सभी विषयों पर पूर्ण प्रकाश डाला।

Digital India, e-learning, e-Governance Plan, Mission Mode Project आदि के बारे में ज्ञान दिया online virtual labals, Lesson Plan आदि का प्रयोग शिक्षा को निश्चित आगे बढ़ायेंगें कहा एवं व्यवसाय की जानकारी दी कि इसका प्रयोग कर शिक्षा स्तर को बढ़ावा दिया जावें।

तत्पश्चात् प्रथम तकनीकी सत्र का प्रारम्भ हुआ प्रथम तकनीकी सत्र के Chairperson डॉ. दामोदर जैन Bhopal, निर्णायक प्रो. एस.के. मेहता एवं डॉ. रीना जैन एवं Reporter के रूप में डॉ. भावना सोनेजी उपस्थित थी।

दिनांक 09/04/2017 द्वितीय दिवस का प्रारम्भ पुनः सरस्वती पूजन वन्दना के साथ एवं स्वागत स्वरूप पुष्प प्रदान करके किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र के Chairperson प्रकाश देव जी, निर्णायक के रूप में डॉ. पी.एल. मिश्रा जी एवं डॉ. विमला व Reporter के रूप में डॉ. रैना तिवारी की उपस्थिति रही।

तृतीय तकनीकी सत्र में ई–गवर्नेंस पुस्तक का विमोचन प्रो. निवेदिता के द्वारा किया गया । यह पुस्तक प्रो. निवेदिता पॉल के द्वारा लिखी गई व इसमें जबलपुर के शिक्षकों व विद्यार्थियों के पेपर प्रकाशित हुये हैं।

सभापति – श्री एस.के. जूडा, निर्णायक श्रीमती संगीता ग्रोवर, उर्मिला बरसैया एवं Reporter प्रो. एस.के. मेहता जी उपस्थित थे।

तीनों तकनीकी सत्र के समाप्त होने पर वेलीडिटरी सत्र का प्रारंभ हुआ जिसमें Guest of Honour डॉ. एस.डी. सिंह सर, मुख्य अतिथि डॉ. जी.एस. मिश्रा जी थे।

श्री प्रवीण वर्मा जी के द्वारा शिक्षक समूह में डॉ. सुसम्मा जॉनसन, राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान जबलपुर व सुलक्षणा त्रिपाठी, हितकारिणी महिला प्रशिक्षण महाविद्यालय, जबलपुर ने प्रथम

स्थान एवं द्वितीय स्थान डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव हितकारिणी महिला प्रशिक्षण महाविद्यालय, जबलपुर ने प्राप्त किया। एवं विद्यार्थी समूह में प्रथम स्थान श्रीमती अपराजिता सेन गुप्ता शोधार्थी रादुविवि एवं द्वितीय स्थान शिल्पा सोमटकर, जबलपुर पब्लिक कॉलेज ने प्राप्त किया।

प्रथम दिवस के मंच का संचालन श्रीमती अंजुलता यादव एवं वैशाली नायडू द्वारा एवं द्वितीय दिवस के मंच का संचालन श्रीमती अंजूलता यादव हर्षिता सिंह द्वारा किया गया।

सम्मेलन को सफल बनाने में सभी शिक्षकों श्रीमती संगीता कौल, डॉ. रश्मि सिंह, श्री विपिन पाण्डे, श्री विनोद पात्रों, सहायक प्राध्यापक श्रीमती मीनाक्षी श्रीवास्तव, श्रीमती प्रीति साहू, श्रीमती प्रियंका साहू, श्रीमती जया चतुर्वेदी, श्रीमती पुष्पलता कोष्टा, कु. दीक्षा लोधी आदि का योगदान सराहनीय रहा।